

मध्यप्रदेश शासन  
वन विभाग  
मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल

क्रमांक एफ 25/43/06/10-3

भोपाल, दिनांक: 25 सितम्बर, 2009

ति,

प्रधान मुख्य वन संरक्षक  
म0प्र0

- विषय: अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परम्परागत वनवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम 2006 के अन्तर्गत वन भूमि से बेदखली की कार्यवाही बाबत।
- संदर्भ: वन विभाग का ज्ञाप क्रमांक एफ 25/83/10-3/2004 दिनांक 21 जनवरी 2008

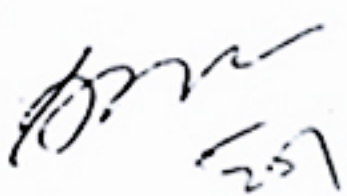
—

कृपया संदर्भित ज्ञाप का अवलोकन करे जिसके द्वारा यह निर्देश दिये गये हैं कि प्रांिकित अधिनियम के अनुसार जो व्यक्ति दिनांक 13-12-05 को वनभूमि, काबिज तथा आदेश दिनांक को भी काबिज है, उन्हें उक्त अधिनियम की परिभाषा पूर्ण करने वाले अनुसूचित जनजाति और अन्य परम्परागत निवासी के कब्जे की भूमि से बेदखली की कार्यवाही तब तक न की जावे जब तक की ऐसे व्यक्ति के संबंध में उक्त अधिनियम के अन्तर्गत अधिकारों के मान्यता व प्रक्रिया की कार्यवाही पूर्ण न हो जाये। यह भी निर्देश दिये गये है कि जिस किसी व्यक्ति को दिनांक 31-12-07 के पूर्व बेदखल किया गया है, उन्हें पुनः अतिक्रमण न करने दिया जाये तथा नये अतिक्रमण के समस्त प्रयासों को निष्प्रभावी किया जावे।

2. राज्य शासन के संज्ञान में कुछ प्रकरण आये हैं जिसमें यह आरोपित है कि दिनांक 13-12-05 के पूर्व के अतिक्रमणकारियों को भी वन विभाग द्वारा बेदखल किया जा रहा है जबकि उनके अधिकारों के सत्यापन के प्रक्रिया पूर्ण नहीं हुई है।

3. अतः राज्य शासन एक बार पुनः यह निर्देश देता है कि जब तक अधिकारों के सत्यापन तथा मान्यता की प्रक्रिया पूर्ण न हो जावे, तब तक दिनांक 13-12-05 के पूर्व के काबिज अनुसूचित जनजाति और अन्य परम्परागत वन निवासी के कब्जे के भूमि पर बेदखली की कार्यवाही न की जावे। जिन व्यक्तियों को दिनांक 31-12-07

से बेदखल किया गया है, उन्हें पुनः कब्जा न करने दिया जाये तथा नये अतिक्रमण के समस्त प्रयास विफल किया जावे।

  
(रतन पुरवार)  
सचिव

म०प्र०शासन वन विभाग

भोपाल, दिनांक: 25 सितम्बर, 09

पृ०कमांक एफ 25 / 83 / 10-3 / 2004  
प्रतिलिपि-

- 1 प्रमुख सचिव, म०प्र०शासन आदिम जाति कल्याण विभाग, भोपाल
- 2 प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्यप्राणी
- 3 प्रबंध संचालक, म०प्र० राज्य वन विकास निगम, भोपाल
- 4 समस्त मुख्य वन संरक्षक, क्षेत्रीय / क्षेत्र संचालक, राष्ट्रीय उद्यान
- 5 समस्त कलेक्टर म०प्र०
- 6 समस्त वन मण्डलाधिकारी क्षेत्रीय / वन्यप्राणी  
की ओर सूचनार्थ एवं आवयक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

सचिव

म०प्र०शासन वन विभाग